अगले तीन दिनों तक छाए रहेंगे बादल

रांचीः राजधानी में आज सुबह से ही बादल छाया रहा। सुबह सुबह हल्की धुंध थी लेकिन लोगों को कनकनी से राहत मिली। न्यूनतम तापमान में किसी प्रकार की कोई गिरावट नहीं आई है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के मुताबिक अगले तीन दिनों तक यही स्थिति बनी रहेगी। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि बादल छाने के बाद ह्वी रांची के तापमान में किसी प्रकार की कोई गिरावट नहीं आएगी।

राजधानी अपडेट्स »

अदालत में आवेदन देगी रांची पुलिस

रांची : अग्रवाल बंधु हत्याकांड के मुख्य आरोपी लोकेश चौधरी की ब्रेन मैपिंग व पॉलिग्राफी टेस्ट के लिए रांची पुलिस मंगलवार को फिर न्यायालय में आवेदन देगी। मामूम हो कि अदालत इससे पहले एक बार इस आशय के आवेदन को अस्वीकार कर चुकी है। पुलिस को भरोसा है कि लोकेश की ब्रेन मैपिंग से अग्रवाल बंधु की हत्या का राज सामने आ सकता है। मालूम हो कि अशोक नगर रोड नंबर एक स्थित एक न्यूज चैनल कार्यालय में 6 मार्च 2019 को सगे भाई हेमंत अग्रवाल व महेंद्र अग्रवाल की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। लोकेश चौधरी इस मामले का मुख्य आरोपी है। 9 दिसंबर को कोर्ट में सरेंडर किया था। आत्मसमर्पण के बाद लोकेश चौधरी को अरगोड़ा थाने की पुलिस ने रिमांड पर लिया था। पुलिस के अनुसार पूछताछ में चौधरी ने सहयोग नहीं किया। इसने इस हत्याकांड में संलिप्तता से साफ इन्कार किया है। इस मामले में फिलहाल एमके सिंह अब पुलिस गिरफ्त से दूर है।

तैयारी कोविड-19 के वैक्सीनेशन से संबंधित तैयारी को लेकर बैठक

सभी प्रखंडों में वैक्सीनेशन सेंटर चिन्हित करने का डीसी ने दिया निर्देश

- भवनों के नक्शे के साथ भी रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया
- वैक्सीनेशन सेंटर में थ्री प्लस वन अरेंजमेंट होनी चाहिए

राष्ट्रीय खबर

रांचीः डीसी छवि रंजन की अध्यक्षता में कोविड-19 के वैक्सीनेशन से संबंधित तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिला के विभिन्न प्रखंडों में अलग-अलग वैक्सीनेशन सेंटर बनाये जाने को लेकर चर्चा की गयी। वैक्सीनेशन साइट कहां होंगे, वैक्सीनेशन सेंटर पर व्यवस्था कैसी होगी, इसे लेकर पदाधिकारियों ने विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान रांची के उपायुक्त छवि रंजन ने प्रत्येक प्रखंड में वैक्सीनेशन सेंटर के लिए आवश्यकतानुसार भवनों को चिन्हित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ बैठक कर भवनों को चिन्हित करें। साथ ही उन्होंने भवनों के नक्शे के साथ भी रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त छवि रंजन ने कहा कि वैक्सीनेशन सेंटर में थ्री प्लस वन अरेंजमेंट होनी चाहिए, साथ ही पानी, बिजली, इंटरनेट कनेक्टिविटी एवं शौचालय की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उपायुक्त छवि रंजन ने बताया कि जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार वैक्सीनेशन सेंटर में हेल्प डेस्क एरिया, वेटिंग एरिया, वैक्सीनेशन रूम और ऑब्जर्वेशन रूम होने चाहिए।

उन्होंने वैक्सीनेशन के लिए प्रत्येक सेंटर में मैनपावर की आवश्यकता से संबंधित रिपोर्ट के साथ अगली बैठक में उपस्थित होने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। बैठक के दौरान डब्ल्यूएचओ के डॉ अनूप ने पीपीटी के माध्यम से वैक्सीनेशन सेंटर की व्यवस्था के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि एक वैक्सीनेशन सेंटर में चार वैक्सीनेशन ऑफिसर और एक वैक्सीनेटर होंगे। सेंटर पर आनेवाले लाभार्थियों का वेरिफिकेशन करने के बाद कोविन एप्लिकेशन पर उनके रिकॉर्ड की एंट्री की जायेगी। वैक्सीनेशन सेंटर पर आनेवाले लाभार्थियों की पहचान फोटोयुक्त पहचान पत्र के माध्यम से की जानी है। पहले फेज में कोविड-19 वैक्सीनेशन के दौरान तीन प्रायरिटी ग्रुप बनाये गये हैं। प्रायरिटी ग्रुप वन में हेल्थ केयर वर्कर्स हैं, प्रायरिटी ग्रुप दो में फ्रंटलाइन वर्कर और प्रायरिटी ग्रुप थ्री में 50 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोग हैं।

योगानंद जी की शिक्षाएं आधुनिक युग के लिए अमृत तुल्य हैं

राष्ट्रीय खबर

रांचीः विश्व विख्यात पुस्तक 'योगी कथामृत' के लेखक परमहंस योगानंद का जन्म दिन कल है। आज से सौ साल पहले सन 1920 में परमहंस जी ने अमेरिका के अपने शिष्यों और छात्रों को क्रिया योग के प्रशिक्षण की जो शुरूआत की वह आज पूरी दुनिया में फैल चुका है। इसके पहले वे भारत में अपना प्रशिक्षण प्रारंभ कर चुके थे। परमहंस योगानंद का जन्म पांच जनवरी 1893 को गोरखपुर में बंगाली परिवार हुआ था। बचपन का नाम मुकुंद घोष था। भारत में योगदा सत्संग सोसाइटी की स्थापना वे सन 1917 में ही कर चुके थे। सन 1920 में उन्हें रांची आश्रम में ध्यान के दौरान उन्होंने अमेरिकी लोगों को देखा। उसके कुछ ही दिन बाद उन्हें अमेरिका के धार्मिक उदारवादियों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के प्रतिनिधि के रूप में भाग लेने के लिए बुलाया गया। वे गुरु के पास आज्ञा लेने गए तो गुरु स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि ने उन्हें कहा- सभी दरवाजे तुम्हारे लिए खुले हैं। अभी नहीं गए तो कभी नहीं जा सकोगे। इसके बाद महावतार बाबा जी ने उन्हें अमेरिका जाने के लिए आशीर्वाद दिया और कहा- तुम ही वह हो जिसे मैंने पाश्चात्य जगत में क्रियायोग के प्रसार करने के लिए चुना है। बहुत वर्ष पहले (सन 1894) मैं तुम्हारे गुरु युक्तेश्वर से एक कुंभ मेले में मिला था और तभी मैंने उनसे कह दिया था कि मैं तुम्हें उनके पास शिक्षा ग्रहण के लिए भेज दूंगा।

अमेरिका में योगानंद जी ने दैनिक ध्यान, विशेष रूप से क्रिया योग के प्रचार- प्रसार के लिए सेल्फ-रियलाइजेशन फेलोशिप की स्थापना की। भारत में योगदा सत्संग सोसाइटी आफ इंडिया की स्थापना कर ही चुके थे। क्रिया योग विज्ञान महर्षि पतंजलि के अष्टांग योग पर आधारित है। प्राण-शक्ति पर नियंत्रण और अनावश्यक इच्छाओं के त्याग द्वारा भक्त बाहरी दुनिया के सभी संवेदी विकर्षणों को पार कर जाता है। जैसा कि तैत्तिरीय आरण्यक में लिखा है- नेत्रहीन ने मोती में छेद किया, लूले ने उस छेद में धागा पिरोया, ग्रीवा विहीन ने उस माला को पहना और मूक व्यक्ति ने उसकी प्रशंसा की। तात्पर्य यह है कि अध्यात्मिक अनुभव और परमसत्य, इंद्रियातीत और बुद्धि से परे होते हैं।

उन्हें पांच स्थूल इंद्रियों और सांसारिक बुद्धि से नहीं, अपितु अंतर्ज्ञान से आत्मा के चक्षु से देखा और जाना जा सकता है। योगानंद जी की शिक्षाओं में भक्ति योग, कर्म योग और ज्ञान योग के विषय में तो है ही भारत के प्रधान दर्शनों जैसे सांख्य और वेदांत तथा विश्व के अन्य प्रमुख दर्शनों के मूलभूत विचार और आदर्श भी सम्मिलित हैं। योगानंद जी की शिक्षाएं आधुनिक युग के लिए अमृत तुल्य हैं। परमहंस योगानंद जैसे ईश्वर-प्राप्त महामानव की जयंती पर हम उन्हें एक ही भेंट चढ़ा सकते हैं। उनकी शिक्षाओं को यथाशक्ति अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेकर। उनका कथन है कि आप योग प्रविधियों का अभ्यास कीजिए और स्वयं देखिए कि मेरी बातें कितनी सच हैं। परमहंस जी की शिक्षाओं ने असंख्य लोगों के जीवन को पूरी तरह बदल दिया। यह चमत्कारी बदलाव योगदा सत्संग सोसाइटी/सेल्फ रियलाइजेशन फेलोशिप के जरिए आज भी जारी है।

सेवा अवधि विस्तार नहीं होने से नाराज ई-मैनेजर्स ने दिया धरना

राष्ट्रीय खबर

रांची : सेवा अवधि विस्तार नहीं मिलने से बेरोजगार हो चुके राज्य के 332 ई-मैनेजर्स अब आंदोलन के तैयारी में हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिये आश्वासन के बाद भी उनके हित में किसी तरह का निर्णय नहीं लिये जाने से ये ई-मैनेजर नाराज हैं। नाराज होकर सोमवार को इन ई-मैनेजर्स ने राजधानी के मोरहाबादी मैदान में आंदोलन शुरू कर दिया। इनकी मांग है कि आर्थिक तंगहाली को देखते हुए अगले सात दिनों के अंदर सरकार उन्हें पुनः सेवा में बहाल करे। बता दें कि पूर्ववर्ती रघुवर सरकार में डिजिटल सेवाओं से जुड़े डीईजीएस सोसायटी के अंतर्गत संविदा पर विभिन्न ई-मैनेजर्स जैसे ई-बैंक मैनेजर, ई-मर्चेंट मैनेजर, ब्लॉक लेवल ई-मैनेजर और नेटवर्क मैनेजर्स की नियुक्ति हुई थी। जुलाई 2019 को सभी 332 ई-मैनेजर्स को नौकरी से हटाने का निर्देश जारी किया गया था। इन मैनेजरों की नियुक्ति संविदा के आधार पर दो सालों के लिए की गयी थी। इन सभी को सेवा से हटाने के पीछे बजटीय उपबंध को कारण बताया गया था। उसके बाद से ही सभी ई-मैनेजर्स बेरोजगार हैं।

मोरहाबादी मैदान में आंदोलनरत एसोसिएशन के सदस्यों का कहना है कि हेमंत सरकार के सत्ता में आने के बाद दो जनवरी 2020 को ई-मैनेजर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। इस दौरान मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौंपा गया था। इस पर हेमंत सोरेन ने उन्हें फिर से बहाल करने के साथ अवधि विस्तार को लंबे समय तक करने की बात की थी। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि किसी भी संविदाकर्मी को अब नहीं हटाया जायेगा।

झारखंड ई-मैनेजर एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय कुमार दुबे ने कहा, सरकार के आश्वासन के बाद भी सेवा विस्तार नहीं मिलने से हम सभी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। पूर्व की सरकार ने बजटीय उपबंध का हवाला देकर सेवा विस्तार नहीं दिया था। अब जब जनवरी 2020 में बजटीय राशि का उपबंध हो गया है, तब सेवा विस्तार नहीं दिया गया। ऐसे में हमारी मांग हैं।

आईसीएआर ने बीएयू के बीजोत्पादन कार्यक्रमों की सराहना की

राष्ट्रीय खबर

रांची : आईसीएआर : भारतीय बीज विज्ञान संस्थान (आईआईएसएस), मऊ के द्वारा सोमवार को वर्चुअल माध्यम से आईसीएआर प्रायोजित प्रजनक बीज व बीज उत्पादन परियोजनाओं के पांच वर्षो की उपलब्धियों की समीक्षा की गई. मौके पर डॉ एसए पाटिल की अध्यक्षता में डॉ एम डाडलीनी, डॉ नायडू व आईआईएसएस निदेशक डॉ संजय कुमार के दल ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित आईसीएआर प्रायोजित बीजोत्पादन परियोजनाओं के पांच वर्षो के उपलब्धियों की समीक्षा की. बीएयू से निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ आरपी सिंह के नेतृत्व में डॉ सुप्रिया सिंह तथा डॉ रवि कुमार ने समीक्षात्मक बैठक में भाग लिया. मौके पर डॉ सुप्रिया सिंह ने दल को वर्ष 2015-16 से वर्ष 2019-20 तक धान्य, दलहनी एवं तेलहनी फसलों के प्रजनक, आधार एवं सत्यापित बीजों का उत्पादन, राज्य के किसानों के सहयोग से पारस्परिक सीड विलेज कार्यक्रमों के तहत दलहनी एवं तेलहनी फसलों के सत्यापित बीज का उत्पादन, प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र दिवस के माध्यमों से बीजोत्पादन तकनीकी का प्रसार एवं बीजोत्पादन में बाधाओं पर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. आईसीएआर दल ने बीएयू के बीजोत्पादन कार्यक्रमों की सराहना की. दल ने प्रदेश के कृषि पारिस्थितिकी के उपयुक्त विभिन्न फसलों की कम अवधि वाले किस्मों के बीज गुणन कार्यक्रमों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ आरपी सिंह ने बताया कि राज्य की करीब 70 प्रतिशत खेती योग्य भूमि में एक फसली खेती होती है. 30 प्रतिशत से अधिक ऊपरी भूमि, अनियमित वर्षपात एवं वषार्काल में वर्षा की अवधि ज्यादा आदि वजहों से बीज उत्पादन में कमी होती है. कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं किसानों के पारस्परिक सहयोग से राज्य में बीजोत्पादन कार्यक्रम को गति मिली है. प्रदेश में मोटे अनाज वाली फसलों में 3 नई किस्मों व तेलहनी फसलों में 3 नई किस्मों को बीजोत्पादन कार्यक्रम में जोड़ा गया है. विगत पांच वर्षो में चना, मूंगफली, सोयाबीन एवं तीसी के बीजोत्पादन में पर्याप्त वृद्धि हुई है ।

युवती ने दुपट्टे के सहारे फांसी लगा कर की आत्महत्या, मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी

रांचीः कांके थाना क्षेत्र स्थित चूड़ी टोला में सोमवार को एक युवती ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। मृतका का नाम गीता कुमारी है और वह अपने भाई के साथ रहती थी। मृतका के भाई सुनील कुमार माली ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से गीता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। रिनपास में उसका इलाज भी कराया जा चुका है लेकिन इसके बाद भी वह पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हो पा रही थी। मृतका के भाई ने यह भी बताया कि कुछ माह पहले ही उसे रिनपास से घर लाया गया था। इसी दौरान सोमवार को अचानक उसने घर में अकेले पाकर अपने दुपट्टा के सहारे फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। फिलहाल घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गयी है। मामले की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है।

रांची में मेरी सहेली की टीम ने नाबालिग लड़की का किया रेस्क्यू

- अभिभावकों को किया सुपुर्द

राष्ट्रीय खबर

रांचीः आरपीएफ मेरी सहेली की टीम लगातार बेहतर काम कर रही है। सोमवार को टीम ने मुरी में एक नाबालिक लड़की का रेस्क्यू किया, जिसके बाद उसके अभिभावक से संपर्क साधकर बच्चे को उनके हवाले किया गया। जानकारी के मुताबिक नाबालिक घर से भागकर मुरी पहुंच गई थी। आरपीएफ मेरी सहेली की टीम लगातार बेहतर काम कर रही है। पिछले दिनों भी रांची रेलवे स्टेशन से दो नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू किया गया था। सोमवार को भी मुरी रेलवे स्टेशन से एक नाबालिग लड़की को रेस्क्यू किया गया। जानकारी के मुताबिक नाबालिक लड़की घर से भाग कर मुरी पहुंच गई थी। इसकी जानकारी आरपीएफ की टीम ने अभिभावक को दी, जिसके बाद अभिभावक मौके पर पहुंचे और बच्चे को घर लेकर गए। सोमवार को ही रांची रेलवे स्टेशन पर एक नाबालिक लड़का जो अपने घर से भागकर रांची पहुंचा था। उसका रेस्क्यू कर बिहार के सिवान चाइल्डलाइन को सौंपा गया। वहीं आरपीएफ हटिया में एक मोबाइल फोन और कुछ दस्तावेज के साथ एक बैग बरामद किया है, जो गिरिडीह के बेंगाबाद के सुनील कुमार दास का है। सुनील कुमार दास के संपर्क कर आरपीएफ की टीम ने उसे सौंप दिया है।

महामारी के दौरान आरपीएफ ने किया बेहतर काम

आरपीएफ की टीम ने कोविड-19 महामारी के दौरान भी बेहतर काम किया है। आरपीएफ की ओर से गठन की गई मेरी सहेली की टीम भी लगातार बाल तस्करी से जुड़े मामलों को उजागर कर रही है।

मां-बाप ने डांटा तो घर से भाग गयीं दो नाबालिग बच्चियां

राष्ट्रीय खबर

रांचीः बरियातू थाना क्षेत्र के एदलहातु से 29 दिसंबर को अपने घर से अचानक गायब हुईं दो नाबालिग बच्चियों को आरपीएफ ने सोमवार को हटिया-हावड़ा ट्रेन से बरामद कर उनके परिजनों को सौंप दिया है। आरपीएफ की ह्यमेरी सहेलीह्न टीम ने दोनों बच्चियों को ट्रेन में डरा-सहमा देखकर पूछताछ की, तो पता चला कि दोनों अपने माता-पिता की फटकार से नाराज होकर घर से निकल गयी थीं। दोनों बच्चियों से पूछताछ करने के बाद ह्यमेरी सहेलीह्न की टीम ने उन्हें मुरी रेलवे स्टेशन पर उतारा और उनके परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद दोनों बच्चियों के परिजन मुरी स्टेशन पहुंचे और उन्हें अपने साथ ले गये। मालूम हो कि अचानक दोनों बच्चियों के घर से गायब हो जाने के बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की थी, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल पायी थी। दोनों बच्चियां घर से अपने साथ मोबाइल फोन भी लेकर गयी थीं, लेकिन लगातार फोन बंद बता रहा था। इसके बाद परिजनों ने दो जनवरी को घटना की जानकारी बरियातू थाना की पुलिस को देते हुए मामले में सनहा दर्ज कराया था।

सभी सरकार की हर योजना से अवगत हों, ताकि जनता को योजनाओं का सफलतापूर्वक लाभ दिला सकें

नगर विकास एवं आवास विभाग की देखरेख में प्रशिक्षण का शुभारंभ

- अपने सहयोगी के बारे में जानें 8 यहां महिलाओ की संख्या उत्कृष्ट है

राष्ट्रीय खबर

रांचीः नगरीय प्रशासन निदेशालय नगर विकास एवं आवास विभाग की देखरेख में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। नव नियुक्त नगर प्रबंधकों और दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के स्टेट मिशन मैनेजर, सिटी मिशन मैनेजर एंड कम्युनिटी ऑर्गनाइजर के लिए पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण यह कार्यक्रम हो आयोजित हो रहा है। नगरीय प्रशासन निदेशालय निदेशक विजया जाधव, सिपेट निदेशक ए। के राव, सहायक निदेशक मेघना रूबी कच्छप और सहायक निदेशक शैलेश प्रियदर्शी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। निदेशक द्वारा प्रशिक्षण को अधिक से अधिक प्रभावी बनाने के लिए जोर दिया गया है। उनके द्वारा जानकारी दी गई कि प्रशिक्षण को आवासीय रखने के पीछे मकसद है कि सभी अनुशासन को सीखें और अपने सहयोगी के बारे में जानें और उनका सम्मान करें।

सभी सरकार की हर योजना से अवगत हों, ताकि जनता को योजनाओं का सफलतापूर्वक लाभ दिला सकें, प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं की संख्या देखकर उन्होंने कहा कि ये अच्छी बात है कि यहां महिलाओ की संख्या उत्कृष्ट है। इसलिए हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि महिलाएं एक दूसरे से संवेदना बनाकर रखें और एक दूसरे को सहयोगी के तौर पर देखें, प्रतियोगी के तौर पर नहीं। निदेशक द्वारा सिपेट निदेशक से आग्रह किया गया कि सभी ट्रेनी के पर्सनल्टी डेवलपमेंट के लिए अलग से क्लास की व्यवस्था करें। उन्होंने संदेश दिया गया कि सभी सेवा भाव से कार्य करें। पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर अपने विचार साझा करें और इसका लाभ उठाएं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन सभी प्रशिक्षुओं को सरकारी दस्तावेज से संबंधित जानकारियां, विभाग द्वारा संचालित विभिन्न केंद्र और राज्य की योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक योजना, राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान की गयी है।

www.readwhere.com